BA Part II (GEN/SUB)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor Cat
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture XI

2020-7-16 15:26

घरेलू हिंसा के निराकरण के सुझाव => समसामयिक परिप्रेक्ष्य में घरेलू हिंसा समाज के अन्य सामाजिक हिंसा से अधिक जटिल एवं गम्भीर होती जा रही है। अत: इसके सम्पूर्ण निराकरण के लिए गम्भीर प्रयास की आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में कुछ सुझाव इस प्रकार है —

1. शिक्षा का प्रसार महिलाओं में अधिक से अधिक किया जाए ताकि वह आत्मनिर्भर बन सकें। उन्हें सरकारी नौकरी में आरक्षण का प्रावधान किया जाए।

2. घरेलू हिंसा रोकने में नैतिक मूल्यों की शिक्षा अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हो सकती है। अत: स्त्री व पुरुष दोनों में बचपन से ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए।

3. घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए सबसे अधिक आवश्यकता आवास की होती है। महिलाएं घरेलू हिंसा के फलस्वरूप अपना आवास स्वयं ही छोड़ देती है। स्वयंसेवी संगठनों द्वारा ऐसी महिलाओं को आवास एवं अन्य सुविधाएं दी जाती है. ऐसे संगठनों का प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

4. घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सहायता के लिए निःशुल्क अदालतों की स्थापना होनी चाहिए। जो व्यक्ति घरेलू हिंसा में सहभागी बनते हैं, उनके बारे पुलिस द्वारा जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए तथा पुलिस एवं पीड़ित महिलाओं के प्रति सहानुभूति का व्यवहार करें।

5. पीड़ित महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के द्वारा रोजगार उपलब्ध कराया जाए जिससे अपने एवं अपने बच्चों का पालन पोषण कर सके।

6. ऐसे संगठनों का विकास हो जो महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सहायता दे।

इस प्रकार उपरोक्त माध्यम से घरेलू हिंसा को दूर किया जा सकता है।

2020-7-16 15:26